लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION
OF
4th
LOK SABHA DEBATES

[नवां सत्र / Ninth Session]

Preservation Unit
Fumigated
Parliament Library

सत्यमेव जयते

[खण्ड 33 में अंक 1 से 10 तक हैं / Vol. XXXIII contains Nos. 1 to 10]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

मूल्य : एक रुपया

Price : **One Rupee**

विषय-सूची/CONTENTS

अंक—4, गुरुवार, 20 नवम्बर, 1969/29 कार्तिक, 1891 (शक)
No.—4, Thursday, November 20, 1969/Kartika 29, 1891 (Saka)

विषय	Subject	पृष्ठ Pages
निधन सम्बन्धी उल्लेख	OBITUARY REFERENCE	
(श्रीमती वायलट अल्वा)	(Smt. Violet Alva)	1—7
श्रीमती इन्दिरा गांधी	Smt. Indira Gandhi	1—2
डा० राम सुभग सिंह	Dr. Ram Subhag Singh	2
श्री रंगा	Shri Ranga	2—3
श्री अटल बिहारी वाजपेयी	Shri Atal Bihari Vajpayee	3
श्री ही० ना० मुकर्जी	Shri H. N. Mukerjee	3—4
श्री सेझियान	Shri Sezhiyan	4
श्री अ० कु० गोपालन	Shri A. K. Gopalan	4
श्री सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी	Shri Surendranath Dwivedy	4—5
श्री रवि राय	Shri Rabi Ray	5
श्री नि० चं० चटर्जी	Shri N. C. Chatterjee	5
श्री प्रकाशवीर शास्त्री	Shri Prakash Vir Shastri	6
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह	Shri Yashwant Singh Kushwah	6
श्री इब्राहीम सुलेमान सेट	Shri Ebrahim Sulaiman Sait	6
अध्यक्ष महोदय	Mr. Speaker	6

लोक-सभा
LOK SABHA

गुरुवार, 20 नवम्बर, 1969/29 कार्तिक, 1891 (शक)
Thursday, Nov. 20, 1969/Kartika 29, 1891 (Saka)

लोक-सभा ग्यारह बजे समवेत हुई
The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए
MR. SPEAKER *in the Chair*]

निधन सम्बन्धी उल्लेख
OBITUARY REFERENCE

श्रीमती वायलट अल्वा

प्रधान मंत्री, वित्त मंत्री, अणु शक्ति मंत्री तथा योजना मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी) : मुझे आज प्रातः काल श्रीमती वायलट अल्वा के आकस्मिक निधन का दुखद समाचार मिला है और इस शोकमय समाचार से हम सब को यहां बहुत आघात पहुंचा तथा हम सब को गहरा शोक है।

परसों की ही बात है जब दूसरे सदन में विभिन्न दलों के नेताओं तथा निर्दलीय सदस्यों को श्रीमती अल्वा को आठ वर्ष तक राज्य सभा की अनुकरणीय अध्यक्षता करने के लिये उनका अभिनन्दन करने का अवसर मिला था। उन्होंने इस उच्च तथा कठिन अध्यक्ष पद को बहुत गौरव, मान, निष्पक्षता, दृढ़ता तथा उत्कृष्ट सफलता पूर्वक निभाया और इससे सदन को एक नवीन गौरव तथा गरिमा प्रदान की तथा उन्होंने हमारे संसदीय लोकतंत्र की प्रगति में श्लाघनीय योगदान दिया। श्रीमती अल्वा इस सदन के लिये कोई अपरिचित नहीं थी क्योंकि उन्होंने कुछ वर्ष तक सरकार की सदस्या के रूप में सेवा भी की थी। वह हमारी एक प्रसिद्ध तथा विशिष्ट अनुभवी ससंद्विज्ञ थीं। वह राज्य सभा की उपसभापति रहीं। राष्ट्र मण्डल ससंदीय सम्मेलनों में भारतीय शिष्ट सण्डल के सदस्य की हैसियत से उन्होंने अनेक बार इस महान संसद का प्रतिनिधित्व किया है। हमारे जीवन की वह एक ऐसी माननीया महिला थी जिनके लिये राजनीति ही सब कुछ नहीं थी। वह देश की विशिष्ट गुणसम्पन्न महिला अधिवक्ता तथा अधिवेत्ता थीं। वह अन्तर्राष्ट्रीय महिला अधिवक्ता संघ की अनेक वर्षों तक सदस्या उपप्रधान तथा प्रधान भी रही थीं। "यूनैस्कों" तथा अन्तर्राष्ट्रीय श्रम

संस्थान में उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय महिला अधिवक्ता संघ का भी प्रतिनिधित्व किया है। मानव अधिकारों के लिये भी उन्होंने संघर्ष किया था तथा श्री लंका में हुए मानव अधिकार सम्बन्धी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में 1959 में वह भारत की एक मात्र प्रतिनिधि के रूप में सेवा की और 1961 में न्युजीलैण्ड गई। वह अपने सम्मानित पति के साथ मुख्य पत्रकार भी रहीं।

राजनीति क्षेत्र तथा वकालत के कार्य क्षेत्र के अतिरिक्त व्यापक सांस्कृतिक तथा सामाजिक महत्व के कार्यों में भी उनकी रूचि थी। गृह मंत्रालय में उपमंत्री के रूप में समाज कल्याण के व्यापक क्षेत्र में उन्होंने रूचिपूर्ण कार्य किया। और विशेषक बाल-अपराध की समस्या पर विशेष ध्यान दिया।

वह केवल ईसाई समुदाय की विख्यात प्रतिनिधि ही नहीं थी अपितु देश की एक सम्मानित समाज सेविका के रूप में देश की गहन सेवा की।

राज्य सभा में वह शान्त, दृढ़ प्रतिज्ञ, निष्पक्ष तथा सदन के अन्य सब दलों के प्रति उदार थीं। वह मेरी अभिन्न मित्र भी थी उनकी अनुपस्थिति हमारे कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं में बड़ी खटकेगी।

श्रीमती अल्वा के प्रतिष्ठित पति के साथ जो दूसरे सदन में हमारे सहयोगी रह चुके हैं, मेरी सहानुभूति तथा समवेदना है।

डा० राम सुभग सिंह (बक्सर) : श्रीमती वायलेट अल्वा का आकस्मिक निधन समाचार से हमें बहुत धक्का पहुँचा है। वह हमारी एक प्रतिष्ठित तथा सम्मानित सहयोगिनी थीं। राज्य सभा की सदस्या, बाद में उपसभापति के रूप में उनका कार्य बहुत प्रशसंनीय रहा है। वह एक बहुत सफल उपमंत्री भी थीं। राज्य-सभा के उपसभापति के रूप में उनका कार्य चातुर्य पूर्ण रहा था तथा प्रत्येक व्यक्ति उनसे सन्तुष्ट था। वह एक प्रख्यात पत्रकार थी और अनेक पत्रिकाओं में उनके लेख प्रकाशित हुए थे। वकील के रूप में उन्होंने उच्च न्यायालय तथा सर्वोच्य न्यायालय में बहुत सराहनीय कार्य किया। वह हमारे देश की बहुत बड़ी समाज सेवक थीं। उनके स थ कार्य करने का मुझे गौरव प्राप्त हुआ था। अतः उनके दुःख सतंप्त परिवार तथा श्री अल्वा जी के प्रति मेरी सम्वेदना तथा शोक है।

श्री रंगा (श्री काकुलम) : प्रधान मंत्री तथा अन्य नेताओं के द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं में मैं भी सम्मिलित हूँ।

जब मैं आज प्रातः श्रीमती अल्वा के प्रति अपनी श्रद्धान्जली अर्पित करने उनके निवास पर गया तो मुझे ऐसा लगा जैसे श्रीमती अल्वा शान्ति की निद्रा में है ऐसा लगता था कि वह अभी सोकर उठने ही वाली हैं। हमारे देश की वह एक कुलीन सपुत्री थीं जैसाकि अभी कहा गया है कि उन्होंने जो ख्याति तथा सम्मान प्राप्त किया वह उनके अनेक परिवार के लिये ही शोभन नहीं था बल्कि इससे इस संसद तथा इस देश के मान तथा प्रतिष्ठा का भी सन्मान हुआ है।

मुझे अनेक वर्ष तक उनके साथ अन्य सदन में कार्य करने का गौरव प्राप्त हुआ है। उपमंत्री के पद पर होते हुये, जबकि उन्हें राज्य मंत्री के पद पर आरूढ़ किया जाना था तो उन्होंने राज्य सभा के उपसभापति का पद भी बड़ी कुशलता से सम्भाला तथा संसदीय परम्पराओं तथा प्रथाओं के विकास में भी बड़ा योगदान दिया। विदेशों में जाकर उन्होंने हमारे देश तथा महिला समाज की गरिमा को बढाया जिस संस्था की उन्होंने सेवा की वहां अपने आत्म सम्मान, कुलीनता, शालीनता तथा अनुशासन का बहुत ऊचा उदाहरण प्रस्तुत किया। और इससे भी अधिक मानव मात्र के प्रति प्रेम भाव को प्रदर्शित किया। अतः एक महान् आत्मा ब्रह्म में लीन हो गई है। मैं उनकी आत्मा की शान्ति के लिये प्रार्थना करता हूँ। उनके शोक संतप्त परिवार तथा उनके माननीय पति के प्रति मेरी सहानुभूति है।

Shri Atal Bihari Vajpayee (Balrampur) : We have assembled here in great sorrow and grief. Shrimati Alva was with us. Only a short time back. Even day before yesterday our colleagues in Rajya Sabha felicitated her and it is irony of fate that today now we have assembled here to pay homage in her memory. No body was aware of this great calamity and shock. When we received the news we could not believe it. Now she is with us no more.

She devoted her whole life to the cause of humanity and for the Nation. In 1942 movement she went to jail with her 5 year old child in her lap. She had made great contribution to the freedom struggle for the country. She was the first woman advocate who ever fought any case in the High Court successfully. She had been a member of the Bombay Corporation. She played an important role as a member of the Bombay Legislative Council. In the capacity of Member of Parliament she made great contribution in the history of Parliamentary democracy. She has been vice-chairman of the Rajya Sabha. I had the privilege to work with her and under her vice-chairmanship. She know how to keep decorum in the House. Every one even the opposition was also satisfied with her. When she had decided not to remain vice-chairman of the house, the Rajya Sabha did express its sorrow, but we in this house felt that perhaps we could not give justice to Shrimati Alva. Though she was a Christian but she was Indian by heart. When we went to her house in the morning we found her asleep in peace and Shri Alva greatly aggrieved we also became aggrieved and shocked in sorrow for a moment. I wish her peace in Heavens.

With these words I pay my homage.

श्री हो० ना० मुकर्जी (कलकत्ता-उत्तर-पूर्व) : हम यहां आज गहन चिन्ता और शोक की छाया में एकत्रित हुये हैं। और मेरे लिये तो यह बहुत असाधारण धक्का है क्योंकि यहां आने के 45 मिन्ट तक तो मुझे यही पता नहीं लगा कि श्रीमती वायलेट अल्वा का देहान्त हो गया है। ऐसी घटना से मुझे लगता है जैसे हम काल के मुख में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। पता नहीं चलता कि काल क्यों व्यक्ति को अपने पाश में बांध ले जाता है। परन्तु जब मृत्यु अपना नाटक रच देती है तो हमें उस सर्वशक्तिमान सत्ता के प्रति विरोध करने को तत्पर होने की अनुभूति होती है।

श्रीमती अल्वा की विशेषताओं तथा गुणों को व्यक्त करने की मैं आवश्यकता नहीं समझता। क्योंकि वे गुण तो जाज्वल्यमान थे। जो प्रत्येक व्यक्ति के लिये अनुकरणीय है। वह बहुत सरल और उदार गुणों की थीं और आत्मश्लाघा तो उनमें से नाम मात्र भी नहीं थी।

अपने दृढ़विश्वास को संसार के सम्मुख प्रदर्शित करने में वह बिलकुल नहीं हिचकिचाती थीं। लोगों से उनका व्यवहार बहुत सरल था और इसके लिये उनका अपना तरीका था और लोगों को मित्र बनाने की उनमें विशेष क्षमता थी। उन्होंने देश में उच्चतम पदों पर कार्य किया है। वह लोगों से जब भी मिलती थीं तो मानवता के आधार पर मिलती थीं उनकी यह विशेषता हमारे सार्वजनिक जीवन में बहुत कम देखने को मिलती है। मैं इस विषय को अधिक बढ़ाना नहीं चाहता परन्तु जो वास्तविक शोक हमारे बीच छाया हुआ है उसकी अनुभूति को बताना चाहता हूँ। श्री अल्वा जो हमारे मित्र हैं और जिन के साथ मैं इस मकान में 15 वर्ष तक रहा हूँ, उनको सान्त्वना देने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं। फिर भी दुःख में सम्मिलित होना मानो दुःख को कुछ कम करना है। अतः मैं अपनी और अपने दल की समवेदना तथा सहानुभूति श्री अल्वा और उनके परिवार के प्रति प्रकट करता हूँ।

श्री सेझियान (कुम्बकोणम) : हम में से जो आज प्रातः ससंद में आया श्रीमती अल्वा के निधन के शोक समाचार को सुनने के लिये तैयार नहीं था। हो सकता है कि हम में से किसी ने उनके साथ अन्य सदन में कार्य न किया हो परन्तु हमने उनसे कई समितियों और बैठकों में भेंट की जिन में उन्होंने बहुत शालीनता से कार्य किया। परन्तु आज वह इस ससार में हमारे पास नहीं हैं। चिन्ता और नैराश्य हमारे मन में दौड़ जाता है जब हम ऐसी दुःख भरी घटनाओं को सुनते हैं कि श्रीमती अल्वा का देहान्त हो गया है।

जब उन्होंने दूसरे सदन की उप-सभापति के पद से त्याग पत्र दिया और जब उनके सराहनीय कार्य के लिए उन्हें बधाई दी गई तो हम में से अधिकांश लोगों ने यही सोचा था कि ऐसा उच्चतर तथा कुलीन तथा महत्वपूर्ण स्थान और पद ग्रहण करने के लिए ही विधाता ने उन्हें बनाया है परन्तु शोक की बात है कि यह हो नहीं सका। वह एक बहुत बड़ी देश भक्त बहुत बड़ी कुशल नीतिज्ञ, आशावादी तथा कर्मठ राजनीतिज्ञ तथा उदार और सहृदया महिला थीं जिसने सम्पूर्ण राजनीतिक दलों के साथ मेल जोल रखा।

मैं आप से अनुरोध करता हूँ कि आप मेरी ओर से और मेरे दल की ओर से सन्तप्त परिवार तथा उनके पति श्री जोकिम अल्वा को हमारा संवेदना सन्देश भेज दें।

श्री अ० कु० गोपालन (कासरगोड) : श्रीमती अल्वा की अचानक मौत से हमें बड़ा धक्का लगा। वह राष्ट्रीय आन्दोलन में महान कार्यकर्त्ता रहीं। राज्य सभा की उप-सभापति के रूप में उन्होंने सभी वर्गों के लोगों से स्नेह तथा सम्मान पाया। मैं आप से अनुरोध करता हूँ कि आप श्री जोकिम अल्वा को तथा उनके सतंप्त परिवार को हमारा संवेदना सन्देश भेज दें।

श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी (केन्द्रपाड़ा) : श्रीमती अल्वा के अचानक स्वर्गवास होजाने से हमें बहुत दुख हुआ। जब हमें यह दुखद समाचार मिला तो मैं उनके घर गया और देखा कि श्री जोकिम अल्वा की आंखों में आंसू आ रहे थे उन्होंने हमें बताया कि उनकी मौत अचानक ही हुई। श्रीमती अल्वा ने जिस स्थिति में काम किया, अपनी जिम्मेदारी को निभाया। वह

सामाजिक कार्यकर्ता थीं, वकील थीं, पत्रकार थीं और योग्य ससंद्विद भी थीं। राज्य-सभा के उप-सभापति के पद को उनके कारण गरिमा और सम्मान मिला।

उन्हें जानने का अवसर मुझे उस समय मिला जब वह राज्य सभा की सदस्य थीं और उप-सभापति थीं किन्तु उन्हें निकट से जानने का सौभाग्य उस समय प्राप्त हुआ जब हम दोनों ने एक संसदीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के रूप में लगभग डेढ़ मास विदेश में इकट्ठे बिताया। मुझे मालूम है कि विदेशों में जब भी उन्हें भाषण देने के लिये कहा जाता था, श्रोता सदा ही उनकी बात को बहुत ध्यानपूर्वक और आदर सहित सुनते थे। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सरकारी अथवा गैर-सरकारी रूप में जब भी उन्होंने हमारा नेतृत्व किया, देश की सदैव प्रतिष्ठा ही बढ़ाई।

हम सभी उनकी मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हैं और मुझे आशा है कि आप हमारी समवेदना श्री जोकिम अल्वा तथा शोकसंतप्त परिवार के अन्य सदस्यों तक पहुंचा देंगे।

Shri Rabi Ray (Puri) : It is hard to believe that Mrs. Alva is no longer amongst us. Only recently on 17th, November. She took part in the meeting held in honour of our Russian guests. After the meeting I had a talk with her. She told me about her experiences in Russia when she visited that country. It is a matter of only three days, that is why it is difficult to believe that she has left us. A year before, she was the chairman of a committee constituted by the Lok Sabha and Rajya Sabha Members. The competence with which she worked on the select committee on monopolies enquiry commission proved that she was a great leader of women in India and that she was capable of discharging her duties creditably wherever she was called upon to hold any responsible position. Today, I join with you and the leader of the house to say that India has lost a great woman leader.

श्री नि० चं० चटर्जी (बर्दवान) : आज प्रात: श्रीमती अल्वा के निधन से सभी संसद सदस्यों को धक्का-सा लगा है।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के सम्बन्ध में गृह मंत्री ने जो बैठक बुलाई थी ; हम लोग साढ़े नौ बजे वहीं बैठे थे। श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आकर यह शोकपूर्ण समाचार दिया। इसे सुनकर इस सदन के और राज्य सभा के सदस्यों को ऐसा धक्का सा लगा कि हमने कार्य स्थगन का निर्णय कर लिया और कार्य स्थगित कर दिया गया।

राज्य सभा के उप-सभापति के रूप में वह विख्यात थीं। जिस सफलता, कुशलता और योग्यता के साथ उन्होंने कार्य-संचालन किया वह असाधारण था। स्वतन्त्रता आन्दोलन में उन्होंने बहुत कार्य किया था ; स्नातक की उपाधि लेने वाली वह प्रथम भारतीय महिला थीं और प्रथम महिला अधिवक्ता के रूप में उन्होंने बहुत सफलता पूर्वक अपनी न्यायालीय योग्यता को सिद्ध कर दिया। आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में होने वाले तीसरे राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में मुझे उनके साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। यह बात बताना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ कि उनकी दक्षता देखकर सभी न्यायाधीशों तथा विधिवेत्ताओं के मन पर उनके व्यक्तित्व की गहरी छाप पड़ गई। हमारे मित्र श्री जोकिम अल्वा इस सदन में कई वर्षों

तक हमारे साथ रहे हैं, उन्हें गहरा आघात लगा है। मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से प्रधान मंत्री तथा अपने अन्य मित्रों से सहमत हूं। उन्होंने श्रद्धाजंलि अर्पित की है और शोक संतप्त परिवार के प्रति समवेदना व्यक्त की है। श्रीमती अल्वा का निधन एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ति दें।

Shri Prakash Vir Shastri (Hapur) : I offer my heart felt tribute to Sharimati Alva. She was a symbol of secularism, Deputy Chairman of Rajya Sabha, and lady with high and liberal thoughts.

Shri Y. S. Kushwah (Bhind) : I offer my heartfelt tribute to the departed soul on my behalf and on behalf of the group of neutral members. I would request you to convey our sympathies to the bereaved family.

श्री इब्राहीम सुलेमान सेट (कोजी कोड) : श्रीमती वायलट अल्वा के निधन का समाचार सुनकर मुझे गहरा आघात लगा है। वह हृदय और मस्तिष्क के महान गुणों से विभूषित थीं; वह इस देश की महान सुपुत्री थीं। उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है।

जब मैं राज्य-सभा का सदस्य था तो मुझे उनके साथ कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उप-सभापति की हैसियत से उन्होंने सभा की कार्यवाही का संचालन अभूतपूर्व सफलता के साथ किया। वह भय अथवा पक्षपात के बगैर कार्य करती थीं।

मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि श्री जोकिम अल्वा और शोक संतप्त परिवार को मेरी समवेदना पहुंचा दी जाये।

अध्यक्ष महोदय : सदन के नेता, विभिन्न दलों के नेताओं तथा अन्य सदस्यों ने श्रीमती वायलट अल्वा को जो श्रद्धाजंलि अर्पित की है, मैं पूर्णतया उससे सहमत हूँ।

अभी कल ही हमने उन्हें सकुशल घूमते-फिरते देखा था। हम यह सोच भी नहीं सकते थे कि मृत्यु उन्हें हमसे इस तरह छीन लेगी।

कानून के व्यवसाय में तो वह सफल थी हीं, एक पत्रकार के रूप में भी उन्होंने ख्याति अर्जित की थी।

इस सदन में श्रीमती अल्वा विभिन्न कार्यों से संलग्न थीं। पहले 1954 से 1956 तक वह लोक लेखा समिति की सदस्या थीं। फिर 1957 से 1962 तक के गृह मंत्रालय में उपमंत्री के रूप में कार्य करती रहीं। 1962 में वह राज्य-सभा की उप-सभापति निर्वाचित हुई और गत सात वर्षों से वह गरिमा के साथ उस पद पर आसीन रहीं। उस पद का त्याग उन्होंने कुछ ही दिन पहले किया। राज्य-सभा के पीठासीन अधिकारी के रूप में उन्होंने संसद की प्रक्रियाओं तथा प्रथाओं को समझा और इस क्षेत्र में बहुत सफलता प्राप्त की। उन्होंने समय-समय पर पीठासीन अधिकारियों के कई सम्मेलनों में भाग लिया, कई संसदीय शिष्ट मंडलों में भाग लिया और उनमें से कुछ का नेतृत्व भी किया। हम इस महान महिला के निधन पर गहरा

शोक व्यक्त करते हैं और मुझे विश्वास है कि उनके पति श्री जोकिम अल्वा जो संसद के सदस्य हैं और उनके संतप्त परिवार के अन्य संदस्यों को समवेदना संदेश भेजने में सदन हमारे साथ है।

शोक व्यक्त करने के लिये सदस्य कुछ समय के लिये मौन खड़े हों।

इसके पश्चात सदस्य कुछ समय के लिये मौन खड़े रहे

The Member then stood in silence for a short while

अध्यक्ष महोदय : दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिये सदन दिन के शेष भाग के लिये स्थगित होता है और यह कल ग्यारह बजे पुनः समवेत होगा।

इसके पश्चात लोक सभा शुक्रवार, 21 नवम्बर, 1969/30 कार्तिक, 1891 (शक) के 11 बजे तक के लिये स्थागित हुई।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Friday, November 21,1969/Kartika 30, 1891 (Saka)

Printed at Akashdeep Printers 20, Darya Ganj, Delhi-6.